भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †656

सोमवार, 06 फरवरी, 2023/17 माघ, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के अंतर्गत जनजातीय और ग्रामीण सर्किटों का विकास

†656. श्री सी. एन. अन्नादुरई:

श्रीमती मंजुलता मंडल:

श्री धनुष एम. कुमार:

श्री जी. सेल्वम:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के साथ आगे बढ़ रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने एसडीएस को बढ़ावा देने के लिए कुछ गैर-सरकारी प्लेयरों के साथ सहयोग किया है/करने का प्रस्ताव है यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) देश में पर्यटन को बेहतर बनाने में यह सहयोग किस तरीके से और किस सीमा तक सहायक होगा;

(घ) क्या सरकार ने एसडीएस के तहत जनजातीय और ग्रामीण सर्किटों के विकास के लिए कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या सरकार को तमिलनाडु राज्य सरकार से पर्यटन सर्किटों के विकास के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस पर केंद्र सरकार की क्या प्रतिक्रिया है; और

(च) क्या सभी चिह्नित पर्यटन सर्किटों को चालू कर दिया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त योजना के अंतर्गत प्रत्येक सर्किट में भाग लेने वाले पर्यटकों की संख्या कितनी है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ग): जी हां महोदय। पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटन अवसंरचना विकास के उद्देश्य से 2014-15 में देश में थीम आधारित पर्यटक परिपथों के एकीकृत विकास के लिए स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) शुरू की। इस योजना के तहत विभिन्न राज्यों/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन में

कुल 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। अब, पर्यटन मंत्रालय ने स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन गंतव्यो के विकास के लिए स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी 2.0) के रूप में अपनी योजना को नया रूप दिया है। स्वदेश दर्शन 2.0 योजना का उद्देश्य पर्यटन और आतिथ्य में निजी क्षेत्र के निवेश में वृद्धि की परिकल्पना करता है। यह पर्यटन के क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी (पीपीपी) बढ़ाने और योजना के तहत सृजित संपत्तियों के संचालन और रखरखाव में मदद कर सकती है।

(घ) पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत देश में जनजातीय थीम के तहत 4 और ग्रामीण थीम के तहत 2 परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसका विवरण संलग्न है।

(ङ) पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तटीय परिपथ थीम के तहत वर्ष 2016-17 में तमिलनाडु में (चेन्नई- मम्मल्लापुरम- रामेश्वरम- मनपाडु- कन्याकुमारी) का विकास परियोजना के लिए ₹ 73.13 करोड़ मंजूर किए हैं। ₹69.48 करोड़ की राशि जारी की जा चुकी है और परियोजना भौतिक रूप से पूरी हो चुकी है । पर्यटन मंत्रालय ने एसडी2.0 योजना के तहत 'मामल्लापुरम' और 'नीलगिरी' को विकास हेतु गंतव्यों के रूप में चिन्हित किया है ।

(च) स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) की जिम्मेदारी संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन की है। पर्यटन मंत्रालय प्रत्येक परिपथ में भाग लेने वाले पर्यटकों की संख्या का परिपथ-वार डेटा नहीं रखता है।

****

अनुबंध

स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस) के अंतर्गत जनजातीय और ग्रामीण सर्किटों का विकास के संबंध में 06.02.2023 के लोक सभा लिखित प्रश्न संख्या †656 के भाग (घ) के उत्तर में विवरण।

(क) स्वदेश दर्शन योजना के जनजातीय परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

(राशि करोड़ में)

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	वर्ष	परियोजना का नाम/स्वीकृति का वर्ष	स्वीकृत राशि
1.	नागालैंड	(2015-16)	पेरेन - कोहिमा - वोखा परिपथ का विकास	97.36
2.	छत्तीसगढ	(2015-16)	जशपुर - कुनकुरी - मैनपाट - अंबिकापुर - महेशपुर - रतनपुर - कुर्दार-सरोदादादार- गंगरेल - कोंडागांव - नथियानवागांव - जगदलपुर - चित्रकूट - तीर्थगढ़ का विकास ।	96.10
3.	तेलंगाना	(2016-17)	मुलुगु-लकनावरम-मेदवरम - तदवई - दमरवी - मल्लूर - बोगाथा जलप्रपात का विकास ।	79.87
4.	नागालैंड	(2016-17)	मोकोकचुंग - तुएनसांग – मोन का विकास	98.14

(ख) स्वदेश दर्शन योजना के ग्रामीण परिपथ के तहत स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

(राशि करोड़ में)

क्र.सं.	राज्य का नाम	वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि
1.	बिहार	(2017-18)	गांधी परिपथ: भितिहरवा - चंद्रहिया - तुरकौलिया का विकास	44.27
2.	केरल	(2018-19)	मलानाड मालाबार क्रूज पर्यटन परियोजना का विकास	80.37

****